

11.10.19 पत्रावली पेश हुई। वकील जकी रॉरहाजिर। अजकी रॉरहाजिर  
बीन गिन समय पर तीन बार आगजे दिल गई शर्दी मोई पक्षकार  
हाजिर नहीं मिसक अदम पैरवी अदम हाजरी में खा रिज की  
जाती है। फंसल शुमार होकर नबर से कम की जाकर दाखिल  
वापर हो।

